financial support for very advanced training or individual creative efforts for revival of some of our traditional forms of art in the age group of 25-65 years. The number of fellowships offered are 200 each year, 150 junior fellowships and 50 for senior fellowships.

Circular Train in Ahmedabad

*248. SHRI RAJUBHAI A PARMAR: Will the Minister of URBAN DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether the State Government of Gujarat has requested the Central Government to start circular train in Ahmedabad (Gujarat);

(b) if so, whether any survey has been done in this regard; and

(c) the action proposed to be taken (hereon ?

THE MINISTER OF URBAN DEVELOPMENT (Smt. SHEILA KAUL): (a) to (c) No, Sir. Ahmedabad Municipal Corporation got a Feasibility Study carried out by Rail India Technical & Economic Services. The study recommended introducing Mass Rapid Transit System on a distance of 58.5 Kms. at a cost of Rs. 602 crores at price level of 1988. The report was submitted to State Government in December 1988. However, no proposal has yet been received from the Government of Gujarat for circular railway in Ahmedabad.

प्राथमिक विद्यालय के बच्चों को मातृभाषा में शिक्षा दिया जाना

*249. श्री विष्णुकान्त शास्त्री : क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत दस वर्षों के दौरान विभिन्न राज्यों की राजधानियों में अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा देने वाले कितने शिशु विद्यालय, प्राथमिक विद्यालय तथा माध्यमिक विद्यालय खोले गये हैं और भारतीय भाषाओं के माध्यम से शिक्षा देने वाले ऐसे कितने विद्यालय खोले गये हैं,

(ख) क्या सरकार की शिक्षा-नीति के अनुसार शिशु विद्यालयों तथा प्राथमिक विद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को उनकी मातृभाषाओं के माध्यम से ही पढ़ाया जाना चाहिये, और

(ग) यदि हां, तो शिशु विद्यालयों तथा प्राथमिक विद्यालयों में अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा देने के प्रयास को निरुत्साहित करने के लिये सरकार क्या-क्या कदम उठाने का विचार रखती है ?

मानव संसाधन विकास मंत्री (श्री अर्जुन सिंह) : (क) से (ग) रा० शै० अनु० व प्र० परिषद द्वारा आयोजित 5वें अखिल भारतीय शैक्षिक सर्वेक्षण के माध्यम से प्राथमिक तथा माध्यमिक स्कूल स्तरों पर शिक्षा के माध्यम से संबंधित सूचना एकत्रित की गई थी । इस सूचना के अनुसार, 8100 प्राथमिक स्कूलों/सैक्शनों तथा 6673 उच्च प्राथमिक स्कूलों/सैक्शनों (कुल स्कूलों का क्रमशः 1.25% तथा 3.44%) में शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी था । शिक्षा के माध्यम के रूप में प्रयुक्त होने वाली अन्य भारतीय भाषाओं का ब्यौरा विवरण में दिया गया है । (नीचे देखिए) इस विवरण में 30 सितम्बर, 1986 तक खोले गए स्कूलों को शामिल किया गया है ।

रा० शै० अनु० व प्र० परिषद द्वारा तैयार की गई प्रारम्भिक तथा माध्यमिक शिक्षा की राष्ट्रीय पाठ्यचर्या में यह सिफारिश की गई है कि ऐसे शिक्षार्थियों के मामले में जिनकी मातृभाषा, उनकी क्षेत्रीय भाषा भी है, उनके लिए प्रारम्भिक स्तर पर शिक्षा का माध्यम, क्षेत्रीय भाषा ही होगी । ऐसे शिक्षार्थियों, जिनकी मातृभाषा, क्षेत्रीय भाषा से इतर है, के लिए प्राथमिक शिक्षा के पहले दो वर्षों के दौरान का शिक्षा के माध्यम के रूप में मातृभाषा का प्रयोग किया जा सकता है, उसके बाद क्षेत्रिय भाषा का प्रयोग किया जाएगा । पूर्व प्राथमिक स्तर पर, विषयों का कोई औपचारिक शिक्षण नहीं दिया जाता ।

अधिकतर अंग्रेजी माध्यम स्कूल, अल्पसंख्यक तथा भाषाई अल्पसंख्यक संस्थाएं है, जिन्हें संविधान के अनुच्छेद क्रमशः 29, 30 तथा 350-क के अंतर्गत संरक्षण प्राप्त है । राज्य सरकार अथवा सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल प्राथमिक स्तर पर क्षेत्रीय भाषा/मातृभाषा को बड़े उत्साह से शिक्षण के माध्यम के रूप में अपनाते हैं ।

विवरण

शिक्षा के माध्यम के अनुसार प्राथमिक तथा माध्यमिक स्तरों के स्कूल

क्र० सं०	भाषा	प्राथमिक स्कूल/ सैक्शनों की संख्या	माध्यमिक स्कूल/ सैक्शनों की संख्या
1	हिन्दी	261062	72412
2	पंजाबी	13323	4037
3	अंग्रेजी	8100	6673
4	उर्दू	21483	6311
7	उड़िया	37926	9078
8	तमिल	34871	9921
9	असमिया	21681	4800
10	संस्कृत	6	1
11	तेलुगु	50314	10487